

This question paper contains 2 printed pages.]

Roll Number :
Unique Paper Code : 12301201
Title of the Paper : CC- 201: दर्शन:न्याय एवं वेदान्त
(Darśana: Nyāya & Vedānta)
Name of the Course : MA Sanskrit (LOCF) Examination, May 2022
Semester : II
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए- 4 x 7 = 28

Explain the following:

(क) तस्य तृतीयं ज्ञानं परामर्शः।

अथवा/or

आप्तवाक्यं शब्दः।

(ख) बुद्धिरुपलब्धिर्ज्ञानं प्रत्यय इत्यादिभिः पर्यायशब्दैर्याजिभिधीयते सा बुद्धिः, सा च संक्षेपतो द्विधा।

अथवा/or

प्रामाणिकत्वेनाभ्युपगतोऽर्थः सिद्धान्तः। स चतुर्धा।

(ग) प्रयोजनं तु तदैक्यप्रमेयगताज्ञाननिवृत्तिः स्वस्वरूपानन्दावाप्तिश्च "तरति शोकमात्मवित्"

इत्यादिश्रुते: "ब्रह्मविद् ब्रह्मैव भवति" इत्यादिश्रुतेश्च ।

अथवा/or

शक्तिद्वयवदज्ञानोपहितं चैतन्यं स्वप्रधानतया निमित्तं, स्वोपाधिप्रधानतयोपादानं च भवति।

(घ) संसर्गो वा विशिष्टो वा वाक्यार्थो नात्र सम्मतः।

अखण्डैकरसत्वेन वाक्यार्थो विदुषां मतः॥

अथवा/ or

अस्य ज्ञानात्पूर्वं विद्यमानानामेवाहारविहारादीनामनुवृत्तिवच्छुभवासनानामेवानुवृत्तिर्भवति
शुभाशुभयोरौदासीन्यं वा।

2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए- 3 x 5 = 15

Write a note on the following:

(क) तर्कभाषा के अनुसार सामान्य

Universal accordance with the Tarkabhāṣā

अथवा/or

तर्कभाषा के अनुसार अवयव

Parts of Syllogism accordance with the Tarkabhāṣā

(ख) तर्कभाषा के अनुसार आत्मा

Ātman accordance with the Tarkabhāṣā

अथवा/or

वेदान्तसार के अनुसार उपहितचैतन्य

Associated consciousness accordance with the Vedāntasāra

(ग) वेदान्तसार के अनुसार भागलक्षणा

Bhāga-lakṣaṇā accordance with the Vedāntasāra

अथवा/or

वेदान्तसार के अनुसार अपवाद

Refutation accordance with the Vedāntasāra

3. निम्नलिखित पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए—

7

Write a note on the following in **Sanskrit** :

ईशोपनिषदि निरूपितं ब्रह्म

अथवा/ or

ईशोपनिषदः सन्देशः

4. निम्नलिखित पर समालोचनात्मक निबन्ध लिखिए —

2 x 10 = 20

Write critical essay on the following:

(क) हेत्वाभासाः Erroneous Reasons

अथवा / or

प्रामाण्यवादः(Theory of Validity of cognition)

(ख) तत्त्वमसि महावाक्य में अखण्डार्थ ।

Absolute Unity as the Meaning of Tattvamasi mahāvākya.

अथवा/ or

वेदान्त के अधिकारी के लिये साधन चतुष्टय की अपरिहार्यता।

Neccesity of four fold means (Sādhana-catuṣṭaya) for a studying the Vedanta.

[This question paper contains 2 printed pages.]

Roll Number :
Unique Paper Code : 121301202
Title of the Paper : CC-202, व्याकरण: लघुसिद्धान्तकौमुदी
Vyākaraṇa: Laghusiddhāntakaumudī
Name of the Course : MA Sanskrit (LOCF) Examination, May, 2022
Semester : II
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. निम्नलिखित प्रत्येक खण्ड से दो सूत्रों निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए- 8 x 3.5 = 28

Explain **two** sutras from each Section of the following:

- I. षष्ठी स्थानेयोगा, यस्मिन् विधिस्तदादाबल्यहणे, अन्तादिवच्चा।
- II. आदेशप्रत्यययोः, अनङ् सौ, यस्येति च।
- III. अस्मद्युत्तमः, इडत्यतिव्ययतीनाम्, विभाषा चेः।
- IV. णिचश्च, ओः पुयण्यपरे, वर्तमानसामीप्ये वर्तमानवद् वा।

2. निम्नलिखित प्रत्येक खण्ड से दो शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया सूत्रोल्लेख सहित प्रस्तुत कीजिए- 8 x 3.5 = 28

Explain the derivational process of **two** words from each of the following sections with sutras

- I. सर्वस्मिन्, मत्यै, राज्ञा।
- II. एधाञ्चक्रे, जहि, अदानि
- III. देहि, दीव्यति, चिकाय
- IV. अतिष्ठिपत्, चिकीर्षति, कष्टायते।

3. निम्नलिखित की समालोचनात्मक विवेचना कीजिए- 06

Critically examine the following:

अष्टाध्यायी के विधिसूत्रों में प्रयुक्त घटक पदों की विभक्तियों के विशिष्ट अर्थों पर सोदाहरण विशद टिप्पणी लिखिए।

Write an elaborate note on significance of the case endings used in the constituents terms of injunctions of the Ashtadhyayi.

अथवा/or

अष्टाध्यायी के विषय विभाग पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on subject matter of the Ashtadhyayi.

4. निम्नलिखितमें से किन्हीं दो पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिये-

2 x 4=8

Write a note in **Sanskrit** on any **two** of the following:

- i. सूत्रार्थोपायभूताः पाणिनीयपरिभाषाः।
- ii. सर्वनामसञ्ज्ञा।
- iii. लकारार्थप्रक्रिया।
- iv. अष्टाध्यायां सञ्ज्ञाविधानस्थलानि।

[This question paper contains 02. printed pages.]

Roll Number :
Unique Paper Code : 121301203
Title of the Paper : CC-203, साहित्य: मेघदूत एवं उत्तररामचरित
Sāhitya: Meghadūta & Uttararāmacarita
Name of the Course : MA Sanskrit (LOCF) Examination, May, 2022
Semester : II
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।

(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Attempt all questions.

1 निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

7 x 4 = 28

Explain the following:

क) तस्य स्थित्वा कथमपि पुरः कौतुकाधानहेतो-

रन्तवर्वाष्पश्चिरमनुचरो राजराजस्य दध्यौ।

मेघालोके भवति सुखिनोऽप्यन्यथावृत्ति चेत्:

कण्ठाक्षेपप्रणयिनि जने किं पुनर्दूरसंस्थे ॥

अथवा/ or

वक्रः पन्था यदपि भवतः प्रस्थितस्योत्तराशां

सौधोत्सङ्गप्रणयविमुखो मा स्म भूरुज्जयिन्याः ।

विद्युद्दामस्फुरितचकितैस्तत्र पौराङ्गनानां

लोलापाङ्गैर्यदि न रमसे लोचनैर्वञ्चितोऽसि ॥

ख) विद्युद्वन्तं ललितवनिताः सेन्द्रचापं सचित्राः

सङ्गीताय प्रहतमुरजाः स्निग्धगम्भीरघोषम् ।

अन्तस्तोयं मणिमयभुवस्तुङ्गमभ्रंलिहाग्राः

प्रासादास्त्वां तुलयितुमलं यत्र तैस्तैर्विशेषैः ॥

अथवा / or

उत्सङ्गे वा मलिनवसने सौम्य निक्षिप्य वीणां

मद्गोत्राङ्कं विरचितपदं गेयमुद्रातुकामा ।

तन्त्रीमाद्रां नयनसलिलैः सारयित्वा कथञ्चिद्

भूयो भूयः स्वयमपि कृतां मूर्च्छनां विस्मरन्ती॥

ग) अथेदं रक्षोभिः कनकहरिणच्छद्मविधिना

तथा वृत्तं पापैर्व्यथयति यथा क्षालितमपि।

जनस्थाने शून्ये विकलकरणैरार्यचरितै-

रपि ग्रावा रोदित्यपि दलति वज्रस्य हृदयम्॥

अथवा / or

विलुलितमतिपूरैर्वाष्पमानन्दशोकप्रभवमवसृजन्ती पक्ष्मलोत्तानदीर्घा।
स्रपयति हृदयेशं स्नेहनिष्यन्दिनी ते धवलमधुरमुग्धा दुग्धकुल्येव दृष्टिः॥

घ) दिनकरकुलचन्द्र चन्द्रकेतो सरभसमेहि दृढं परिष्वजस्व।

तुहिनशकलशीतलैस्तवाङ्गैः शममुपयातु ममापि चित्तदाहः॥

अथवा / or

त्रातुं लोकानिव परिणतः कायवानस्त्रवेदः क्षात्रो धर्मः श्रित इव तनुं ब्रह्मकोशस्य गुप्त्यै।
सामर्थ्यानामिव समुदयः संचयो वा गुणानामाविर्भूय स्थित इव जगत्पुण्यनिर्माणराशिः ॥

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** पर टिप्पणी लिखिये जिसमें किसी **एक** विषय पर **संस्कृत** में लिखिए:

5+5+5+7= 22

Write a short note on **any four** of the following and **one must be in Sanskrit**:

क) याच्या मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा।

अथवा/or

मेघदूत का खण्डकाव्यत्व (Meghadūta as a Khandakavya)

ख) यक्षभवन का वैशिष्ट्य Significance of Yaksha's House

अथवा/or

ह्रीमूढानां भवति विफलप्रेरणा चूर्णमुष्टिः।

ग) जितमपत्यस्नेहेन।

अथवा/or

एते हि हृदयमर्मच्छिदः संसारभावाः

घ) गुणाः पूजास्थानं गुणेषु न च लिङ्गं न च वयः।

अथवा/or

उत्तररामचरित में गर्भाङ्क Garbhanka in *Uttararāmacarita*

3. निम्नलिखित की समीक्षात्मक विवेचना कीजिये:

10+10=20

Critically analyze the following:

क) मेघदूत में रसाभिव्यक्ति

Rasa as reflected in *Meghadūta*.

अथवा / or

अलकापुरी वर्णन

Depiction of *Alkapuri* according to *Meghadūta*.

ख) “उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते”।

अथवा / or

उत्तररामचरित में अंकित राम का चरित्र

Rama's character according to *Uttararāmacarita*.

This question paper contains 02 printed pages.

Roll Number :

Unique Paper Code : 121301201

Title of the Paper : संस्कृतवाङ्मय में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति की रूपरेखा
Outline of Culture & Civilization in Sanskrit Literature

Name of the Course : MA Sanskrit, (LOCF), Examination, May, 2022

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. ऋग्वैदिककालीन सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों का वर्णन कीजिए। 12
Describe the social, political, economic and religious status of Rgvedic Period.

अथवा/OR

सभ्यता एवं संस्कृति को परिभाषित करते हुए भारतीय संस्कृति की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
Defining the culture and civilization, describe the characteristics of the Indian culture.

2. सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के आधार पर रामायणकाल की समीक्षा कीजिए। 12

Review the Rāmāyaṇa Period based on the social, political, economic and religious system.

अथवा/OR

महाभारतकालीन सभ्यता एवं संस्कृति पर निबन्ध लिखिए।
Write essay on the culture and civilization of Mahābhārata Period.

3. प्राचीन भारतीय आश्रम व्यवस्था का विस्तार में वर्णन कीजिए। 12
Describe the Ancient Indian Āśrama System in detail.

अथवा/OR

प्राचीन भारतीय शिक्षा केन्द्रों एवं पाठ्यक्रमों का वर्णन करते हुए शिक्षा प्रणाली पर निबन्ध लिखिए।
Write an essay on Education System describing the Ancient Indian Educational Institutes and Syllabi.

4. शैव-धर्म के उद्भव, विकास एवं प्रमुख सिद्धान्तों का विवेचन कीजिए ।

12

Describe the origin, development and thought of Shaiva Dharma.

अथवा/OR

बौद्धमत के प्रमुख सिद्धान्तों का विस्तृत वर्णन कीजिए ।

Describe the major doctrines of Buddhism in detail.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए:

5.5x4=22

Write short notes on any **four** of the following:

- i. उत्तरवैदिककालीन समाज (Society of Post Vedic Period)
- ii. पुराणकालीन संस्कृति (Culture of the Puranic Period)
- iii. पुरुषार्थ-चतुष्टय (Four Puruśārthas)
- iv. प्राचीन भारतीय विवाह व्यवस्था (Ancient Indian Marriage System)
- v. जैनधर्म (Jainism)
- vi. परम्परागत वर्णधर्म (Traditional Varṇadharmā)